कार्यकारी सार

• आयकर विभाग (आईटीडी) में आईटी एप्लिकेशन्स के मुख्य उद्देश्य कर प्रशासन की दक्षता एवं प्रभावकारिता का सुधार करना और कर आधार के विस्तार के साथ प्रभावी आयोजना के लिए विश्वसनीय एवं समय से प्रबन्धन को सूचना उपलब्ध करना है। हमने आईटीडी एप्लिकेशन्स के चार मोडयूल्स नामतः विवरणियों के प्रक्रियाकरण के लिए एएसटी, कर लेखांकन एवं भुगतान सूचना उपलब्ध कराने के लिए ओल्टास, टीडीएस के अन्तर्गत कर भुगतान के ब्यौरों पर सूचना के साथ एसएसटी उपलब्ध कराने हेतु ई-टीडीएस और प्रत्येक निर्धारण वर्ष (एवाई) के लिए कर की माँग और प्रतिदाय के सम्बन्ध में प्रत्येक निर्धारितियों के खाता लेखा रखने हेतु इरला, की समीक्षा की।

• आईटीडी ने वित्त वर्ष 06 से वित्त वर्ष 11 के दौरान कम्प्यूटरीकरण पर ₹ 790 करोड़ खर्च किया है फिर भी आईटीडी ने मोडयूल्स के महत्वपूर्ण कार्यात्मकताओं का उपयोग नहीं किया है। एएसटी/सीपीसी एप्लिकेशन्स निर्धारिती के लीगेसी ब्यौरे *(पैराग्राफ 2.16 के 2.20)* से लिंक नहीं करता है। यह न तो संवीक्षा निर्धारण ब्यौरे का रिकार्ड रखता है न ही शास्तिक कार्यवाहियों एवं अपीलों का रिकार्ड रखता है। एसएटी द्वारा चिन्हित सभी दाखिल न करने वालों को नोटिस जारी नहीं किया जा रहा है *(पैराग्राफ 2.11)*। आईटीडी ने सरकारी लेखाओं की शुद्धता पर विवक्षा के साथ बैंकों द्वारा यथासूचित जोनल लेखा कार्यालय द्वारा यथा लेखाबद्ध राजस्व संग्रहणों का मिलान नहीं किया। *(पैराग्राफ 2.26)*। अप्राधिकृत बैंक शाखाएँ करों का संग्रहण कर रही हैं *(पैराग्राफ 2.31 से 2.32)*। अदर्ज क्रेडिट की बड़ी राशि ओल्टास में पड़ी हैं *(पैराग्राफ 2.42)*। पृथक चालू खाता लेखा का पूर्ण उपयोग नहीं हो रहा है *(पैराग्राफ 2.52 से 2.53)*। एक ही चालान का बहु उपयोग पाया गया है जिससे निर्धारितियों को अस्वीकार्य कर क्रेडिट प्रदान हुआ। आईटीडी ने पहले ही हमारे कहने पर प्रणाली के माध्यम से अतिरिक्त क्रेडिट के ₹ 153 करोड़ के 3089 मामलों में पुष्टि की है (पैराग्राफ 2.58)। आईटी एप्लिकेशन्स एमआईएस रिपोर्टें जैसे सीएपी-I एवं सीएपी-II आनलाइन सृजित नहीं करते हैं *(पैराग्राफ 2.66 से 2.69)*; और विवरणियों के प्रक्रियाकरण करते हुए निम्नतर/शून्य दर पर कर कटौती के लिए प्रमाण-पत्र से सहसम्बद्ध नहीं करते हैं।

• आउटसोर्सिंग ठेके तीसरी पार्टी सुरक्षा लेखापरीक्षा/आईटीडी द्वारा लेखापरीक्षा सुनश्चित करने के लिए व्यापक नहीं है *(पैराग्राफ 3.16 से 3.22)*। हम आउटसोर्स किए गए वेन्डरों द्वारा डिजिटाइजेशन के लिए अभिलेखों की प्रहस्तन प्रणाली हेतु पर्याप्त आश्वासन प्राप्त नहीं कर सका *(पैराग्राफ 3.25 से 3.27)*। फिजिकल एवं लॉजिकल एक्सेस कन्ट्रोल में त्रुटियाँ थी *(पैराग्राफ 3.29)*। ठेकेदार ने शास्ति लगाये बिना सुपुर्दगियों में चूक की।

• लम्बित निर्धारणों की स्थिति में कारबार कार्यकलापों के पर्याप्त आउटसोर्सिंग और सूचना प्रौद्योगिकी में निवेश के बावजूद वित्त वर्ष 07 से वित्त वर्ष 11 तक की पाँच वर्ष की अवधि में थोड़ा सुधार दिखाई पड़ता है।